मोको लाग्यो रे सतसंगी थारो भाग जाग्यो रे

मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यों रे।bd।

गली गली हरी चर्चा होवे,
जाणो सतगुरु आयो रे,
भारत भूमि अमरत बरसे,
बहुत ही आनन्द छायो रे,
मोको लाग्यों रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यों रे।bd।

देश देश का हरी जन आया,
भारी मेलो लाग्यो रे,
मुक्ति का दरवाजा खुली गया,
अब तो कलयुग भाग्यो रे,
मोको लाग्यों रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यों रे।bd।

भूल्या भटक्या जीव जो आया,
अब तो अवसर आयो रे,
तीरथ बरत तो सब ही करिया,
अब तो गंगा नहाओ रे,
मोको लाग्यों रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यों रे।bd।

मोको लाग्यो रे सतसंगी,
थारो भाग जाग्यो रे,
मौको लाग्यों रे।bd।

प्रेषक – प्रमोद पटेल।
यूटयूब पर – 1.निमाड़ी भजन संग्रह।
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

https://youtu.be/KPhx_zhij1A

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com